वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 186 | गुरुवार 2 नवम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में तीसरे दिन 5 प्रत्याशियों ने भरे नामांकन

विद्याधर नगर से दियाकुमारी और बस्सी से अंजू धानका भरा पर्चा; जिले में अब भी 10 सीटों पर एक भी नामांकन नहीं

जयपुर जिले की अब तक की स्थिति देखें तो 19 में से केवल 9 सीटों पर ही प्रत्याशियों ने ताल ठोकी है, जबकि 10 सीटे अब भी ऐसी है जहां एक भी प्रत्याशी मैदान में नहीं आया है।

जयपुर. शाबाश इंडिया

विधानसभा चुनाव नामांकन प्रक्रिया के तीसरे दिन जयपुर जिले की 19 सीटों पर आज 5 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किए। सबसे चर्चित नाम विद्याधर नगर से भाजपा प्रत्याशी दिया कुमारी और बस्सी से निर्दलीय अंजू धानका का रहा। धानका के आने से बस्सी में मुकाबला रोचक हो सकता है। इस तरह तीन दिन में अब तक 11 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ने के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। नामांकन भरने की आखिरी तारीख 6 नवंबर में है। जयपुर जिले की अब तक की स्थिति देखें तो 19 में से केवल 9 सीटों पर ही प्रत्याशियों ने ताल ठोकी है, जबकि 10 सीटे अब भी ऐसी है जहां एक भी प्रत्याशी मैदान में नहीं आया है। जयपुर के जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि एक नवंबर को 19 विधानसभा सीटों पर कुल 5 प्रत्याशियों ने 7 नामांकन पत्र दाखिल किए। इसमें विद्याधर नगर, बस्सी, आमेर, झोटवाड़ा और सांगानेर से एक-एक प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। बस्सी से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर अंजू धानका ने नामांकन पत्र भरा है। धानका इस सीट से पहले

भी दो बार निर्दलीय विधायक रह चुकी है। पिछले चुनाव में भी 25 हजार से ज्यादा वोट हासिल किए थे। इस कारण बीजेपी और कांग्रेस यहां से अब तक पिछले 4 चुनाव में खाता नहीं खोल सके है। इसके अलावा दूसरा बड़ा नाम भाजपा से प्रत्याशी दिया कुमारी का रहा। दिया कुमारी अभी राजसमंद से सांसद है और इससे पहले वह सवाई माधोपुर से विधायक रह चुकी है। दिया कुमारी के नामांकन पत्र भरने के दौरान बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता आज जयपुर कलेक्ट्रेट पहुंचे थे।

10 विधानसभा में अब तक नहीं खुला खाता

नामांकन के तीन दिन हो गए और जयपुर जिले 19 में से 10 विधानसभा ऐसी है, जहां अब तक एक भी नामांकन पत्र दाखिल नहीं हुआ है। अब नामांकन भरने के लिए उम्मीदवारों को 4 दिन का समय और मिलेगा। 2, 3, 4 और 6 नवंबर को नामांकन पत्र भरे जाएंगे। लेकिन अभी तक किशनपोल, हवामहल, विराटनगर, शाहपुरा, चौमू, दूदू, जमवारामगढ़, सिविल लाईन्स, मालवीय नगर और चाकसू से एक भी उम्मीदवार ने नामांकन पत्र नहीं भरा है।

प्रदेश में अब तक 90 प्रत्याशियों ने भरे नामांकन

प्रदेश की 200 विधानसभा सीटों की स्थिति देखे तो अब तक तीन दिन में 90 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ने के लिए अपना नामांकन पत्र भरा है। राज्य निर्वाचन विभाग के सीईओ प्रवीण गुप्ता ने बताया कि आज यानी तीसरे दिन श्रीगंगानगर, रायसिंहनगर, भादरा, बीकानेर पूर्व, डूंगरगढ़, नोखा, सुजानगढ़, मंडावा, नवलगढ़, झोटवाड़ा, आमेर, विद्याधर नगर, सांगानेर, बस्सी, तिजारा, किशनगढ़ बास, थानागाजी, अलवर शहरी, राजगढ़-लक्ष्मणगढ़, भरतपुर, नदबई, बसेड़ी, टोडाभीम, बांदीकुई, टोंक, किशनगढ़, डेगाना, बाली, सुमेरपुर, फलौदी, पोकरण, सिरोही, खेरवाड़ा, वल्लभनगर, डूंगरपुर, घाटोल, कुशलगढ़, बेगूं, निम्बाहेड़ा, राजसमंद, नाथद्वारा, जहाजपुर, सांगोद, कोटा दक्षिण, लाडपुरा और अंता विधानसभा क्षेत्रों में कुल 60 नामांकन पत्र दाखिल किए गए।

8 राज्यों और 5 केन्द्रशासित प्रदेशों का मनाया स्थापना दिवस

राज्यपाल बोले- सभी राज्य समरसता की भारतीय संस्कृति और अनेकता में एकता के प्रतीक

जयपुर. कासं। राजभवन में बुधवार को 8 राज्यों छत्तीसगढ़, पंजाब, हरियाणा, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केन्द्र शासित प्रदेश अंडमान-निकोबार, चंडीगढ़, दिल्ली, लक्षद्वीप और पुडुचेरी का स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। राज्यपाल कलराज मिश्र ने सभी को बधाई देते हुए वहां के लोगों से संवाद किया। उन्होंने कहा- यह सभी प्रदेश अनेकता में एकता की भारतीय संस्कृति के प्रतीक है। उन्होंने राजभवन में बड़ी संख्या में उपस्थित इन प्रदेशों के स्थानीय-जनों से संवाद करते हुए समरसता बनाए रखते हुए

भाईचारे और सद्भाव के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश की एकता और अखंडता ही सबसे पहले है। इसके लिए सबको मिलकर काम करने की आवश्यकता है। आठ राज्यों और पांच केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों ने राज्यपाल कलराज मिश्र का राजभवन में उनके प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाने और उन्हें बुलाकर संवाद करने के लिए आभार जताया। राज्यपाल ने कहा कि आज का दिन इसलिए बहुत महत्वपूर्ण है कि केन्द्र सरकार के स्तर पर विभिन्न राज्यों का भाषा के आधार पर पुनर्गठन करने का आज ही के दिन फैसला लिया गया था। उन्होंने राज्य वार वहां की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विशेषताओं की चर्चा करते हुए कहा कि हर प्रदेश ने अखंड भारत के निर्माण में महती भूमिका निभाई है। उन्होंने सभी प्रदेशों के निवासियों को भाईचारे की भारतीय संस्कृति को बनाए रखते हुए सामूहिक रूप में देश के विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करने का भी आह्वान किया। मिश्र ने कहा कि कहा कि सभी प्रदेशों के इतिहास, संस्कृति और कलाओं के साथ जन-जीवन से जुड़े संदर्भ हमें हमारी विरासत से जोड़ने वाले हैं।

विधान सभा भवन लोकतंत्र का मन्दिरः आर्यिका विशेष मति माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में चातुर्मास रत गणिनी आर्यिका विशुद्ध मति माताजी की युवा शिष्या बालयोगिनी आर्यिका विशेष मति माताजी ससंघ ने बुधवार को राजस्थान विधान सभा भवन का अवलोकन किया । अध्यक्ष पदम बिलाला के अनुसार आर्यिका श्री ने अवलोकन करते हुए कहा की जिस प्रकार जिन मन्दिर में अपने लिए शुद्ध भावनाओं के साथ प्रवेश किया जाता है उसी प्रकार लोकतंत्र के मन्दिर में जनता जनार्दन के लिए शुद्ध भावनाओं के साथ प्रवेश कर अपने कर्तव्यों का निर्वाह होता है। आर्यिका श्री ने विधान सभा के म्यूज़ियम को राजस्थान के लोकतंत्र के इतिहास की बहुत ही बेहतरीन कृति बताया । नरेश कासलीवाल अनुसार आर्यिका श्री से उपस्थित विधान सभा स्टाफ ने आशीर्वाद प्राप्त किया। इस समय ब्र. सविता दीदी,अलका सेठी ,वर्षा सेठी सुलोचना पाटनी सहित जनकपुरी समाज के कमलेश जैन ,सुनील सेठी ,मयंक पाटनी ,तारा चंद गोधा ,राजेंद्र ठोलिया व सोभाग अजमेरा भी साथ थे। **संकलनः नरेश कासलीवाल**

उज्जैन में 'सुरभित मैत्री' अनुशीलन राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी ऐतिहासिक सफलता के साथ सम्पन्न

उज्जैन. शाबाश इंडिया

मुनि श्री सुप्रभसागर जी की कृति पर विद्वानों ने प्रस्तुत किए आलेख। आयोजन समिति ने विद्वानों को चांदी के बर्तनों में कराया भोजन।

ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक नगरी उज्जैन के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ऋषिनगर, उज्जैन मध्य प्रदेश में चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के परम शिष्य श्रमण मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज एवं मुनि श्री प्रणतसागर जी महाराज के मंगल सान्निध्य में डॉ. श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत के निर्देशन व डॉ सुनील जैन संचय ललितपुर के संयोजकत्व में 'सुरभित मैत्री' अनुशीलन (भावना द्वात्रिंशतिका -आचार्य अमितगति पर आधारित मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज की कृति 'सुरभित मैत्री' पर आधारित) दो दिवसीय राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी का आयोजन 29 और 30 अक्टूबर 2023 को ऐतिहासिक सफलता के साथ संपन्न हुआ। इस संगोष्ठी में डॉ. शीतलचंद्र जैन जयपुर, डॉ श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत, ब्र. चक्रेश भैया, डॉ. नरेंद्र जैन टीकमगढ़ , प्रोफेसर श्रीयांस सिंघई जयपुर, पंडित विनोद जैन रजवांस, डॉ. सुरेंद्र जैन भारती बुरहानपुर, डॉ. ज्योति जैन खतौली, पंडित पवन दीवान सागर, डॉ सुनील जैन संचय ललितपुर, श्रीमती अनुभा जैन (संयुक्त कलेक्टर) विदिशा, राजेंद्र जैन 'महावीर' सनावद, डॉ. जयेंद्र कीर्ति जी उज्जैन, डॉ पंकज जैन इंदौर, डॉ. आशीष जैन आचार्य शाहगढ़, डॉ. सोनल कुमार जैन दिल्ली, डॉ बाहुबली जैन इंदौर, पं. मुकेश जैन शास्त्री गुड़गांव, डॉ. ममता जैन पुणे, डॉ. राजेश जैन शास्त्री ललितपुर, डॉ. आशीष जैन शास्त्री बम्होरी, पंडित शीतलप्रसाद जैन

ललितपुर, पं. अखिलेश जैन शास्त्री रमगढ़ा, पं. जिनेन्द्र जैन उज्जैन, पंडित अनिल शास्त्री सागर, पंडित विवेक शास्त्री उज्जैन, मनीष जैन विद्यार्थी सागर, विजय शास्त्री शाहगढ़ आदि विद्वान सम्मिलित हुए। विद्वानों द्वारा प्रस्तुत शोधलेखों के माध्यम से अनेक नए तथ्य और सत्य उदघाटित हुए, गंभीर चर्चा हुई जिसमें देवाधिदेव, सुदेव, देव, कुदेव और अदेव के संबंध में महत्वपूर्ण चर्चा हुई। समस्त आलेख वाचकों के वक्तव्य की समीक्षा परमपूज्य मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज ने बहुत ही गवेषणा पूर्वक रोचक तरीके से की। उस समीक्षा में जहां एक और ज्ञान का समायोजन था वहीं दूसरी ओर विद्वानों के लिए बहुत सारे सुधारात्मक पहलुओं को भी पूज्यश्री ने इंगित किया। उज्जैन में आयोजित यह संगोष्ठी अनेक विशेषताएं लिए हुई थी। आयोजन समिति ने विद्वानों का खूब बहुमान-सम्मान-सत्कार किया। चांदी के बर्तनों में विद्वानों को भोजन : विद्वानों को आयोजन समिति के द्वारा चांदी के बर्तनों में उच्चासन पर बैठाकर भोजन कराया गया, अत्यंत सुस्वादिष्ट और उत्तम कोटि के व्यंजनों को परोसा गया। आयोजन समिति के पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने भोजन स्वयं अपने हाथों से विनय भाव के साथ परोसा। 'अतिथिदेवो भवः' को उज्जैन की समाज ने चरितार्थ किया। **यातायात की सुंदर व्यवस्थाः** विद्वानों को आवागमन में कोई परेशानी न हो इसके लिए आयोजन समिति ने विद्वानों को स्टेशन/बस स्टैंड से रिसीव करने के लिए वाहन की व्यवस्था की , स्टेशन लेने पहुँचे तथा संगोष्ठी के बाद स्टेशन तक भिजवाया भी। आवास स्थान से संगोष्ठी स्थल तक आवागमन के लिए ससमय वाहन व्यवस्था की गई, अभिषेक-पूजन के लिए पूजन की थालियां और पूजन के शुद्ध वस्त्रों का समुचित प्रबंध किया था। संगोष्ठी स्थल पर बैठक व्यवस्था बड़े ही शानदार तरीके से की गई थी। संगोष्ठी का लाइव प्रसारण ' सुप्रभ उवाच' यूट्यूब चैनल पर किया गया। आयोजक दिगम्बर जैन समाज एवं महाज्ञान कुंभ बषायोग समिति के अध्यक्ष शान्तिकुमार कासलीवाल, कार्याध्यक्ष प्रमोद जैन, महामंत्री अशोक जैसवाल, अरविन्द बुखारिया, अशोक मंगलम, आवास प्रभारी मुकेश काला, राजकुमार जैन, सतेन्द्र जैन, अशोक मोदी, सुनील बरघड़िया, पी सी मंगलम आदि पदाधिकारियों, वरिष्ठ समाजजनों ने विद्वानों का भावभीना सम्मान किया। संगोष्ठी के निर्देशक डॉ. श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत व संयोजक डॉ. सुनील संचय ललितपुर को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। **सुनयनपथगामी अनुशीलन का हुआ विमोचनः** संगोष्ठी के दौरान मुनि श्री सुप्रभ सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में वर्णी भवन मोरा जी सागर (सन 2021 में) में सम्पन्न हुई संगोष्ठी में विद्वानों द्वारा प्रस्तुत आलेखों की स्मारिका 'सुनयनपथगामी अनुशीलन' का भव्य विमोचन किया गया। जिसका संपादन /संयोजन पंडित विनोद जैन रजवांस व डॉ सुनील संचय ललितपुर ने किया है।

आस्था, भक्ति और समर्पण से मनाया सुहागिनों ने सनातनी पर्व

उदयपुर। सनातन धर्म मान्यतानुसार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थ तिथि को शहर में सुहागिनों ने करवा चौथ व्रत रख कर विधि विधान से पूजा अर्चना कर मनाया। शाम को चंद्रोदय के साथ ही मिट्टी से बने करवे में भरे जल दूध से अर्घ्य देकर निराहार और निर्जल कठिन व्रत खोला। गौरतलब है कि पति की लंबी और निरोगी आयु तथा सुखी वैवाहिक जीवन को लेकर विवाहिताएं निर्जला व्रत रखती हैं। लेकसिटी में इस खास मौके पर विवाहिताओं ने सुहाग की मेहंदी लगा कर व्रत उपवास रखे। कई जगह अलग अलग धर्म समुदाय ने विभिन्न क्षेत्रों में सामूहिक पूजा अर्चना भी की। **फोटो स्टोरी : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

भव्य जैनेश्वरी दीक्षार्थी 04 दीदियों के जयपुर मंगल आगमन पर आयोजित हुए विनौली और गोद भराई के मांगलिक कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज और पूज्य आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से पूज्य श्रमणी गणिनी आर्यिका श्री 105 विशाश्री माता के कर कमलों द्वारा संघस्थ 04 दीदियों, शिवा दीदी, रौनक दीदी, शैली दीदी और सपना दीदी को दिनांक 16 दिसंबर, 2023 को कलकत्ता में भव्य जैनेश्वरी दीक्षा दी जा रही है। उक्त दीक्षा से पूर्व चारों दीदियों का दिनांक 1 नवंबर 2023 को महावीर नगर में विनौली और गोद भराई का कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया । 01 नवम्बर 2023 , प्रातः 8:30 बजे विनौली और गोद भराई कार्यक्रम जुलूस 8:30 बजे बैंड बग्गी के साथ गुमान होटल , महावीर नगर, दुर्गापुरा स्टेशन रोड से रवाना होकर जादौन नगर, विष्णुपुरी, सरावगी मोहल्ला होते हुए जैन भवन पहुंचा और बड़े हर्ष और उल्लास से विनोली और गोदभराई का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। यह महावीर नगर जैन समाज के इतिहास में एक ऐतिहासिक प्रोग्राम रहा। सभी गुरु मां भक्तो और साधर्मी बंधुओं ने अपने परिवारजन सहित उक्त विनोलीऔर गोद भराई के मांगलिक अवसर के साक्षी बन पुण्यार्जन अर्जित की।

गोठी स्कूल के जूडो खिलाड़ी सीबीएसई प्रतियोगिता में भी चैंपियन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। वर्द्धमान ग्रुप के तत्वावधान में श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित भंवर लाल गोठी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल ब्यावर के 19 खिलाड़ियों ने श्री गंगानगर में आयोजित सीबीएसई वेस्ट जोन जूडो प्रतियोगिता में भाग लिया जिसमे से 4 खिलाड़ियों ने नेशनल के लिए क्वालीफाई किया। जो अब 21 नवंबर को नोएडा यूपी में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की जूडो प्रतियोगिता में भाग लेंगे जिसमे लक्षिता मंग्रोला ने गोल्ड मानवी तिवारी, कनिष्का यादव और धीरज कुमार ने सिल्वर मैडल जीतकर चैंपियनशिप भी अपने नाम की। इसी क्रम में अनिका चौहान, निखिल कुरडिया, सोनाक्षी तिवारी ने ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया। विद्यालय नियंत्रक ललित कुमार लोढ़ा, प्राचार्य डॉ अनिल कुमार शर्मा, उप प्राचार्य श्रीमती सुनीता चौधरी ने सभी खिलाड़ियों, कोच गोतम चौहान और टीम मैनेजर कनकलता का विद्यालय में भव्य स्वागत कर विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ साथ खेल में विद्यालय और ब्यावर जिले का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ नरेन्द्र पारख, निदेशक डॉ आर सी लोढा,नियंत्रक ललित कुमार लोढ़ा, प्राचार्य डॉ अनिल कुमार शर्मा, उप प्राचार्या श्रीमती सुनीता चौधरी ने सभी खिलाड़ियों को शानदार प्रदर्शन करने के लिए उत्साहवर्धन किया।

वेद ज्ञान

झूठ अनेक, मगर सत्य सिर्फ एक

जीवन के हर आयाम में सत्य के सामने झुकना मुश्किल है और झूठ के सामने झुकना सरल। ऐसी उलटबांसी क्यों है? उलटबांसी जरा भी नहीं है, सिर्फ तुम्हारे विचार में जरा सी चूक हो गई है, इसलिए उलटबांसी दिखाई पड़ रही है। चूक बहुत छोटी है, शायद एकदम से दिखाई न पड़े, थोड़ी खुर्दबीन लेकर देखोगे तो दिखाई पड़ेगी। सत्य के सामने झुकना पड़ता है, झूठ के सामने झुकना ही नहीं पड़ता, झूठ तुम्हारे सामने झुकता है और इसीलिए झूठ से दोस्ती आसान है, क्योंकि झूठ तुम्हारे सामने झुकता है और सत्य से दोस्ती कठिन है, क्योंकि सत्य के सामने तुम्हें झुकना पड़ता है। अंधा अंधेरे से दोस्ती कर सकता है, क्योंकि अंधेरा आंखें चाहिए ऐसी मांग नहीं करता, लेकिन अंधा प्रकाश से दोस्ती नहीं कर सकता है, क्योंकि प्रकाश से दोस्ती के लिए पहले तो आंखें चाहिए। अंधा अमावस की रात के साथ तो तल्लीन हो सकता है, मगर पूर्णिमा की रात के साथ बेचैन हो जाएगा। पूर्णिमा की रात उसे उसके अंधेपन की याद दिलाएगी, अमावस की रात अंधेपन को भुलाएगी, याद नहीं दिलाएगी। तुम कहते हो, 'जीवन के हर आयाम में सत्य के सामने झुकना मुश्किल है।' यह सच है, क्योंकि सत्य के सामने झुकने का अर्थ होता है अहंकार को विसर्जित करना। लेकिन दूसरी बात सच नहीं है जो तुम कहते हो कि झूठ के सामने झुकना सरल क्यों है? झूठ के सामने झुकना ही नहीं पड़ता, झूठ तो बहुत जी-हजूर है। झूठ तो सदा तुम्हारे सामने झुका हुआ खड़ा है, तुम्हारे पैरों में बैठा है। झूठ तो गुलाम है। झूठ के साथ दोस्ती आसान, क्योंकि झूठ तुम्हें रूपांतरित करने की बात ही नहीं करता। झूठ तो कहता है कि तुम हो ही, जो होना चाहिए वही हो, उससे भी श्रेष्ठ तुम हो। झूठ तुम्हारी प्रशंसा के पुल बांधता है। झूठ तुम्हें बड़ी सांत्वना देता है और कितने-कितने झूठ हमने गढ़े हैं! इतने झूठ कि अगर तुम खोजने चलो तो घबड़ा जाओ! सत्य तो एक है, झूठ अनंत हैं। झूठ अनेक हैं। जैसे स्वास्थ्य एक है और बीमारियां अनेक हैं, ऐसे ही सत्य एक है और सत्य तुम्हें फुसलाएगा नहीं, तुम्हारी खुशामद नहीं करेगा।

संपादकीय

भ्रष्टाचार के खिलाफ केंद्रीय एजंसियों की सक्रियता

भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की कोशिशों पर शायद ही किसी को एतराज हो, मगर पिछले कुछ वर्षों से आयकर विभाग, प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो जिस ढंग से सक्रिय नजर आ रहे हैं, उसे लेकर उनकी साख पर सवाल खड़े हो गए हैं। विपक्षी दल लगातार आरोप लगा रहे हैं कि ये एजंसियां केंद्र सरकार के इशारे पर बदले की भावना और नाहक परेशान करने की नीयत से कार्रवाई कर रही हैं। इसकी शिकायत सर्वोच्च न्यायालय में भी की गई थी, मगर उसने इनकी कार्रवाइयों पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लागू है, मगर उनमें भी इन केंद्रीय एजंसियों की छापेमारी और राजनेताओं, उनके रिश्तेदारों आदि से पूछताछ चल रही है। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी लोगों के घरों पर छापेमारी हुई तो उन्होंने इन एजंसियों को लेकर बहुत तल्ख और आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। उनकी भाषा पर एतराज जताते हुए

स्पष्टीकरण मांगा गया, तो उन्होंने न तो उसके लिए किसी तरह का अफसोस जाहिर किया और न अपने बयान को अनुचित माना। उन्होंने कहा कि जब एक मुख्यमंत्री को इस तरह परेशान किया जाएगा, तो उसकी भाषा ऐसी ही निकलेगी। हालांकि एक जिम्मेदार पद का निर्वाह कर रहे व्यक्ति से इस तरह की असावधान भाषा की अपेक्षा नहीं की जाती। केंद्रीय जांच एजंसियों की कार्रवाई के समय और व्यक्तियों के चुनाव को लेकर हमेशा सवाल उठते रहे हैं। यह सवाल बार-बार पूछा जाता है कि ये एजंसियां उन्हीं नेताओं के खिलाफ कार्रवाई क्यों करती हैं, जो केंद्र के विपक्ष में हैं और सत्तापक्ष के खिलाफ बोलते रहते हैं। फिर यह भी कि जब भी किसी राज्य में चुनाव होना होता है, वहीं क्यों अधिक छापेमारी की जाती या पुराने मामलों की फाइलें खोल कर जांच शुरू कर दी जाती है। विपक्षी दल उन नेताओं के नामों की सूची भी बार-बार दोहराते रहते हैं, जिनके खिलाफ केंद्रीय एजंसियों के पास भ्रष्टाचार से जुड़े मामले दर्ज हैं, मगर उनके सत्तापक्ष में चले जाने के बाद उनके खिलाफ जांच रोक दी गई हैं। फिर यह भी तथ्य बार-बार दोहराया जाता है कि इन एजंसियों की कार्रवाई में तो तेजी आई है, मगर वास्तव में दोष सिद्धि नगण्य हुई है। इससे यही जाहिर होता है कि इन एजंसियों की कार्रवाई के पीछे मंशा केवल विपक्षी नेताओं और उनके करीबियों को परेशान करने की होती है। हालांकि जब भी किसी के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगते हैं, तो वह खुद को पाक-साफ ही बताता है, मगर पिछले कुछ सालों में ऐसे मामलों को लेकर आमजन में एक तरह का सामान्य स्वीकार भाव पैदा हो गया है। विपक्षी दलों के हर छापे या पूछताछ को राजनीति से प्रेरित बताते रहने से लोगों में यह धारणा गाढ़ी होती देखी जा रही है कि केंद्रीय जांच एजंसियों का मकसद भ्रष्टाचार रोकने के बजाय कुछ और ही है। यह बहुत चिंताजनक संकेत है। जब लोगों में भ्रष्टाचार के प्रति सहज स्वीकार का भाव पैदा होगा, तो ऐसे आचरण पर नकेल कसना और मुश्किल होता जाएगा। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नहीं लिया सबक...

किसी भी हादसे का सबक यह होना चाहिए कि वैसी त्रासदी से बचने के हर उपाय किए जाएं। मगर पिछले कुछ समय से देश भर में रेलगाड़ियों के पटरी से उतरने से लेकर टकराने तक जैसे हादसे सामने आ रहे हैं, उससे यही लगता है कि सरकार ऐसी दुर्घटनाओं से कोई सबक सीखने को तैयार नहीं है, जिनमें जानमाल का व्यापक नुकसान हुआ हो। रविवार को आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में दो ट्रेनें जिस तरह टकरा गईं, उससे फिर यही साबित होता है कि ऐसे बार-बार के हादसों के बावजूद रेल महकमे में बहुस्तरीय लापरवाही कायम है। गौरतलब है कि अलमांडा-कांतकपल्ले के बीच रायगड़ा यात्री ट्रेन ने विशाखापट्टनम-पलासा यात्री ट्रेन को पीछे से टक्कर मार दी, जिसमें चौदह लोगों की जान चली गई और कम से कम पचास लोग घायल हो गए। रेलवे की ओर से हादसे की शुरूआती जांच में रायगढ़ा यात्री ट्रेन के चालक और सहायक चालक को जिम्मेदार ठहराया गया है। आरोपों के मुताबिक, नियमों का उल्लंघन करते हुए यह ट्रेन दो स्वचालित सिग्नलों से गुजरी थी। हालांकि हादसे में चालक दल के दोनों सदस्यों की मौत हो गई, लेकिन सवाल है कि इस स्तर की लापरवाही आखिर किन वजहों से बनी हुई है! आमतौर पर हर बड़ी रेल दुर्घटना के बाद सरकार मारे गए लोगों के परिजनों और घायलों के लिए मुआवजे की घोषणा करती है, हादसे के कारण जानने के लिए जांच कराने की बात कही जाती है। मगर उसके कुछ ही दिनों बाद फिर कोई वैसी ही दुर्घटना सामने आ जाती है। इसके लिए शायद ही कभी ऊंचे स्तर के अधिकारी या संबंधित महकमे के मंत्री की जिम्मेदारी तय की जाती है, उन पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई या उनके इस्तीफे जैसी बात होती है। आंध्र प्रदेश के ताजा हादसे में पीछे से आ रही गाड़ी ने आगे की गाड़ी को टक्कर मारी। ज्यादा दिन नहीं हुए हैं जब ओड़ीशा के बालासोर में तीन ट्रेनों के बीच हुई भयानक टक्कर में तीन सौ से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और करीब एक हजार लोग घायल हो गए थे। उसके बाद बीते पांच महीने में कई बड़े और गंभीर हादसे हो चुके हैं, जो इस बात का संकेत देते हैं कि देश की पटरियों पर चलती हुई रेलगाड़ियां दरअसल एक जोखिम को साथ लेकर दौड़ रही हैं, लेकिन उस पर लगाम लगाने के लिए ऐसी कोई ठोस व्यवस्था नहीं हो पा रही है। करीब तीन महीने पहले खुद सरकार ने लोकसभा को यह जानकारी दी थी कि बीते नौ सालों में परिणामी रेल हादसों की संख्या हर साल इकहत्तर रही। इनमें सात सौ इक्यासी लोगों की मौत हो गई और करीब डेढ़ हजार लोग घायल हुए। रेलगाड़ियों के पटरी से उतरने से लेकर टक्कर होने जैसे हादसों का सिलसिला कायम रहने के बीच ही ''कवच-प्रणाली'' या टक्कर रोधी यंत्र के जरिए हादसों पर लगाम लगाने की बातें भी की गईं। दूसरी ओर, ओड़ीशा से लेकर आंध्र प्रदेश में हुई दुर्घटनाएं बताती हैं कि यह सुरक्षा प्रणाली कितनी ट्रेनों में लगाई गई और इसके जरिए कितना बचाव संभव हो पाया है। आए दिन सरकार की ओर से पटरियों पर ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाने की बात की जाती है, आधुनिक सुविधाओं से लैस ट्रेनों के संचालन की शुरूआत हो रही है। सवाल है कि अगर यात्रियों को ज्यादा सुविधाएं मुहैया कराने के आश्वासन के साथ पटरियों पर दौड़ने वाली गाड़ियां हर वक्त दुर्घटनाओं की आशंका के साथ चलेंगी तो ह्यहादसों को शून्यह्ल करने के दावों को किस आईने में देखा जाएगा?

डांडिया की ताल पर झूमे अभिभावक...

प्रतियोगिताओं में भाग लेने से प्रतिभागियों में आता है निखार : डॉ. टांक

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर स्थित एसएस पब्लिक स्कूल में छात्र छात्राओं के अभिभावकों ने डांडिया कार्यक्रम में जमकर डांस किया। ग्रहणियों ने बच्चों के साथ ताल से ताल मिलाकर साथ दिया तथा खूब थिरकीं। वहीं दिवाली की साज-सज्जा पर भी फोकस किया। इस मौके पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत म्यूजिकल चेयर, बेस्ट ड्रेस, बेस्ट डांस आदि का सफल आयोजन किया गया। वहीं स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर घनश्याम टेलर ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार कर सम्मानित किया। स्कूल के प्रिंसिपल शिवपाल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। स्कूल के डायरेक्टर डॉक्टर ओपी टांक ने इस मौके पर कहा कि प्रतियोगिताओं में भाग लेने से प्रतिभागियों का विकास तथा उनकी प्रतिभा में निखार आता है। प्रतियोगिताएं सदैव अग्रसर रखती हैं तथा भविष्य की योजनाओं में सहायक होती है। प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर प्रतिभागी अपनी प्रतिभा को मनवाता है तथा उसके जीवन में निखार से उज्जवल भविष्य बनता है। वहीं डॉक्टर ओपी टांक ने सभी प्रतिभागियों को साधुवाद दिया तथा ऐसे आयोजनों के लिए आयोजकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

वाल्मीकि जयंती समारोह पूर्वक मनाई

अतिथियों ने सामाजिक एकता पर दिया बल

जयपुर. शाबाश इंडिया। ज्योति नगर स्थित कठपुतली नगर में वाल्मीकि जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में समाज के महापुरुषों को श्रद्धा से याद करते हुए उनके बताए सन्मार्ग पर चलने का उपस्थित जनों से आह्वान किया। इस मौके पर वाल्मीकि समाज के पंच कमेटी के सरपंच रवि हटवाल व कार्यकारिणी के सलाहकार रमेश निदानिया, मुख्य अतिथि राजस्थान कच्ची बस्ती महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. ओपी टांक, विकास समिति के महामंत्री अशोक शर्मा, पूर्व सरपंच महेंद्र तम्बोली, सुरेश टांक आदि उपस्थित रहे। वहीं बस्ती के वाल्मीकि समाज के लोगों की भी बड़ी संख्या कार्यक्रम में मौजूद रहीं। इस मौके पर डॉ. टांक ने अपने उद्बोधन में सामाजिक एकता पर बल दिया। वहीं उन्होंने गलत रस्मों रिवाज तथा अनावश्यक खर्चों पर अंकुश लगाने का लोगों से आह्वान किया। डॉक्टर ओपी टांक ने कहा कि हम अपने बच्चों की शिक्षा पर ध्यान दें तथा उन्हें उच्च शिक्षा की ओर अग्रसर करें। इस मौके पर सभी ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

बेटा पढ़ाओ संस्कार सिखाओ द्वारा सामाजिक सुधार के लिए दिया गया ज्ञापन

भाजपा प्रत्याशी सुभाष महरिया ने अपनी सहमति जताते हुए इसे चुनावी घोषणा पत्र में शामिल करने का दिया आश्वासन

लक्ष्मणगढ़/सीकर. शाबाश इंडिया। बेटा पढ़ाओ संस्कार सिखाओ द्वारा सामाजिक सुधार के लिए विधानसभा चुनावों के भाजपा प्रत्याशी सुभाष महरिया को संस्था की तरफ से संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष कवि हरीश शर्मा, सह-संस्थापक आकाश झुरिया, कोषाध्यक्ष अनमोल सुरेका व उपाध्यक्ष विनीत सोनी ने आज के समाज के ज्वलन्त मुद्दों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के मुख्य मुद्दे लिंग भेद व जाति भेद को मिटाना था जैसे शिक्षा में समानता का अधिकार, महिला आयोग की तर्ज पर पुरुष आयोग का गठन, विधुर पेंशन राशि जारी की जाये, पुरुष थाने का गठन किया जाये, लड़की के घर से भागने के बाद कोर्ट में पेश होने पर लड़की का बयान (इच्छा) न पूछकर लड़की के माता-पिता की राय लेनी अनिवार्य की जाये, आरक्षण को जड़ से खत्म किया जाये, बेटा-बेटी के मध्य किये जा रहे भेदभाव को खत्म किया जाये, किसी भी लड़की या उसके परिवार के द्वारा लड़के या लड़के के परिवार पर कोई भी मुकदमा या शिकायत दर्ज करवाई जाये तो जब तक लड़के या लड़के के परिवार के खिलाफ दोषी होने के ठोस सबूत नही मिल जाये तब तक लड़के व लड़के के परिवार को हिरासत में नही लिया जाये, पत्नी पीड़ित पुरुष और उसके परिवार को आखिर जो कानूनी व्यवस्था है उसे बदलकर उसे कब इंसाफ मिलेगा, लव जिहाद से बचाने के लिए बहन-बेटियों को प्रेरित किया जाये, बहिन-बेटियों के साथ घिनोनी हरकत करने वालों को तुरन्त फाँसी की सजा हो।

गणनी आर्यिका श्री विशाश्री माताजी द्वारा जेनेश्वरी दीक्षा 16 दिसंबर को कोलकत्ता में

शक्ति नगर पल्लीवाल जैन मंदिर में हुई दीक्षार्थी बहनों की गोद भराई

जयपुर. शाबाश इंडिया। गणनी आर्यिका श्री विशाश्री माताजी द्वारा 16 दिसंबर को कोलकत्ता में जेनेश्वरी दीक्षा दी जायेगी। दीपिका कासलीवाल ने बताया कि आज शक्ति नगर स्थित पल्लीवाल जैन मंदिर में दीक्षार्थी बहनों की गोद भराई तथा बिंदोरी का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिंदगी से पाप क्षय करने का एक मात्र माध्यम जिनवाणी : इन्दुप्रभाजी म.सा.

मांगने से पहले अपर्ण करना सीखो, दिया हुआ प्रसाद हो जाएगा-समीक्षाप्रभाजी म.सा., रूप रजत विहार में उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन जारी

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। जिनवाणी के अलावा ऐसा कोई मंत्र, तंत्र या जप नहीं है जो पाप को खत्म कर सके। वितराग प्रभु की जिनवाणी का श्रवण करके ही आधि, व्याधि मिटाकर समाधि की ओर प्रस्थान किया जा सकता है। कर्मो को क्षय कर मोक्ष जाने की राह जिनवाणी ही दिखाती है। भव भम्रण समाप्त करने का एक मात्र उपाय जिनवाणी है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में बुधवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या वात्सल्यमूर्ति महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जिनवाणी श्रवण करने से जीवन के सारे कष्ट मिट जाते है और हमारे पाप कर्म का क्षय होता है। उन्होंने कहा कि हम जो समय पापकर्म बंध करने में बिता देते है वह यदि धर्म के कार्यों में लगा दे तो हमारे इस भव के साथ आने वाला भव भी सुधर जाए। उन्होंने जैन रामायण का वाचन करते हुए भगवान राम के वनवास से जुड़े विभिन्न प्रसंगों की चर्चा की। धर्मसभा में उत्तराध्ययन सूत्र की 21 दिवसीय आराधना के सातवें दिन तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने आठवें अध्याय कापिलीय की चर्चा करते पूर्ण करते हुए नवें अध्ययन नमी पव्वज्जा की चर्चा शुरू करते हुए कहा कि बिना सोचे देने वाला शालिभद्र बन जाता है ओर सोच कर मांगने वाला केवली बन जाता है। लोभ व्यक्ति को कातिल बना देता है ओर संतोष व्यक्ति को केवली बना देता है। मांगने से पहले अपर्ण करना सीखो, दिया हुआ प्रसाद हो जाएगा। जीवात्मा अपनी पापकारी दृष्टि के कारण दुर्गति में जाती है। उन्होंने कहा कि स्वयं के द्वारा जीए गए पलों को कषाय ओर मोह विस्मृति के गर्भ में पहुंचा देते है। कई बार व्यक्ति संशय की स्थिति में रहने के कारण मंजिल तक नहीं पहुंच पाता है। इसलिए जीवन में कोई भी शुभ कार्य करें तो उसके परिणाम के प्रति आशंकित न रहे या मन में संशय की स्थिति नहीं बनने दे।

जीवन में कर्मो की लीला बड़ी न्यारी है: महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। जीवन में कर्मों की लीला बड़ी न्यारी है। बुधवार साहुकारपेट जैन भवन मे महासती धर्मप्रभा ने आयोजित धर्मसभा में श्रध्दांलूओ को सम्बोधित करतें हुए कहा कि संसार में मानव जीवन अति दुर्लभ है, बड़ी मुश्किल से यह मानव जीवन मिला है। मानव शरीर ही मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। अपनी सोई हुई आत्मा को जगाने पर ही मनुष्य आत्मा पर कर्मों के आवरण को हटाकर अपनी आत्मा का कल्याण करवा सकता है। लेकिन मनुष्य मोह और राग मे संसार के सुख को स्थाई समझकर नश्वर काया को सुख देने के लिए पाप पर पाप करके जीवन के लक्ष्य भूल रहा है। आत्मा का उत्थान तभी हो सकता है जब मनुष्य अपने कर्मो निर्जरा कर लेता है तो वह अपनी आत्मा को संसार से मुक्ति दिलवा पाएगा। साध्वी स्नेहप्रभा ने श्री मद उत्तराध्ययन सूत्र के सत्तर और अठारवें अध्याय का वर्णन करतें हुए कहा कि सच्चा साधक वही है जो संसार में रहकर भी अपनी जीवन के लक्ष्य को ना भूले और भगवान के बताए गए धर्म के मार्ग पर चलेगा तो वह अपनी आत्मा का संसार से उत्थान करवा सकता है। श्रीसंघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने जानकारी देते हुए बताया धर्मसभा में अनेक श्रध्दांलूओ के साथ श्री एस.एस.जैन संघ साहुकारपेट के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी,माणकचन्द खाबिया, महावीर कोठारी,शम्भूसिंह कावड़िया मंत्री सज्जनराज सुराणा आदि की उपस्थिति रही।

दिवाली के दिन ''एक निवाला खुशीयों वाला'' की पहल

जयपुर में लगभग 12 से 15 बड़े सरकारी अस्पताल में

जयपुर. शाबाश इंडिया। त्योहारों पर हम खुशियां और आत्मसंतुष्टि ढूंढने के लिए बहुत रुपया-पैसा खर्च करते हैं। परंतु फिर भी आत्मतृप्ति नहीं होती, इसका कारण है ,कि शायद पहले जब हम त्यौहार मनाते थे तो आसपास के लोगों को मिठाइयां-उपहार आदि देते थे, बाद में स्वयं खाते थे। इसी परम्परा और संस्कृति से त्यौहारों की खुशियां और महत्व दोगुना हो जाता था। इसी परम्परा को नये रूप से आगे बढ़ाने की पहल है ''एक निवाला खुशियों वाला''। जयपुर में लगभग 12 से 15 ऐसे बड़े सरकारी अस्पताल है। जिनमें प्रत्येक अस्पताल में सैकड़ों की संख्या में मरीज भर्ती रहते हैं। इन मरीजों के साथ आए परिजनों के लिए भिन्न-भिन्न लोग भोजन सेवा करते हैं। परन्तु त्यौहारों के अवसर पर न जाने सब कहां चले जातें हैं और तो और अस्पतालों के आसपास के ढाबे भी बंद हो जाते हैं। साथ ही सड़कों पर लगने वाले छोटे-मोटे ठेले भी गायब हो जाते हैं। ऐसे में मरीजों के परिजन, जरुरतमंद व्यक्ति अधिक लाचारी महसूस करते हैं। कईयों को तो भूखे ही रात बितानी पड़ती है। जरा सोचिए जिस दिन हमारा सबसे बड़ा त्योहार हो और उसी दिन किसी को भूखा सोना पड़े ? यह निराशाजनक है उनके इस कष्ट को ध्यान में रखकर इस दिवाली के दिन ''एक निवाला खुशीयों वाला'' की पहल की जा रही है। दिवाली वाले दिन 12 नवम्बर रविवार शाम 4 बजे से जयपुर के सभी सरकारी अस्पतालों को मिलाकर लगभग 5100 थाली मजबूर, लाचार व जरूरतमंदों को निशुल्क पहुंचा कर, हम और आप एक मुस्कान तो इनके चेहरों पर ला ही सकते हैं। उन्हें एक खुशी मिलेगी और आपको वो अनमोल संतोष और आनंद, जो हजारों रुपए खर्च करने पर भी नहीं मिलता। आप सभी सहभागी बनकर अपने त्योहारों को सार्थक बनाएं। हमारे यहां मान्यता है, कि मजबूर जरूरतमंद की सहायता ईश्वर की पूजा के समान है लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। कहा भी गया है, कि आप मंदिर ना भी जा सके तो भूखे को भोजन करा दें या जरूरतमंदों की मदद करें। वह काम भी ईश्वर के प्रति किया गया पवित्र कर्म है।

छोटी-छोटी बच्चियों ने लगाई सुन्दर-सुन्दर निशुल्क मेंहदी

जयपुर. शाबाश इंडिया

''कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट'' की योजना संवारें बचपन के माध्यम से शिक्षा के लिए गोद ली गई बालिकाओं को प्रोत्साहन देने के लिए करवाचौथ के अवसर पर निशुल्क मेहंदी समारोह किया गया। जिसमें छोटी-छोटी बच्चियों ने लगभग 250 महिलाओं के हाथों में सुंदर-सुंदर मेहंदी लगाई गई। मेंहदी लगवाने आई सभी महिलाओं ने बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया गिफ्ट भी दिये। और आशीर्वाद भी इस उत्सव को सपोर्ट किया मरुधर सुपर मार्केट ने संस्था के सचिव सुरेन्द्र शर्मा स्वयं सेवक कू. संगीता वर्मा, श्रीमती विजयलक्ष्मी तंवर मौजूद रहे।

गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने कहा...

अपने दिमाग का सही उपयोग करना सीखें

गुंसी. शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी में नित प्रति अभिषेक , शांतिधारा व शांतिविधान का क्रम बना हुआ है । प्रतिदिन भक्त गुरु माँ के मुखारविंद से अपने नाम के शांतिधारा करने का पुण्यार्जन कर रहे है । आज की शांतिधारा करने का अवसर सुरेश कोटा , चंदाबाई कोटा वालों ने प्राप्त किया । भक्ति भावों से शांति प्रभु के चरणों में शांति विधान का सौभाग्य विनय जी देवली वालों ने प्राप्त किया । मंडल पर बड़े ही श्रद्धा भक्ति से 120 अर्घ्य समर्पित किये गए। पूज्य माताजी की उपवास के बाद पारणा कराने का अवसर चौमुं बाग जयपुर समाज ने प्राप्त किया। पूज्य माताजी ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि - सार्थक और सकारात्मक जीवन जीने के लिए ज्यादा परिश्रम की जरूरत नहीं है।

अकसर लोग इसके लिए भटकते फिरते हैं, जबकि हर इंसान के पास दिमाग है जो पूरे शरीर को तो संचालित करता ही है और वही जीवन की यात्रा भी तय करता है। कोई विपरीत स्थितियों और परिस्थितियों के बावजूद अपने दिमाग का सही और सटीक प्रयोग करके ऊंची उपलब्धियां हासिल कर लेता है और कोई सारी सुविधाओं के बावजूद असफल रहता है। हर व्यक्ति को सबसे पहले सुनने की आदत डालनी न बताई है। जब व्यक्ति विद्वानों, श्रेष्ठजनों और गुरुओं की बातें सुनता है तो शब्द रूपी ब्रह्म कानों से प्रवेश कर मस्तिष्क में रासायनिक परिवर्तन करते हैं। मस्तिष्क में अच्छी-अच्छी बातें आती हैं। वहीं खराब और बुरी बातें सुनने के बाद प्रायः झगड़े-फसाद हो जाते हैं। ज्ञान से चिंतन-मनन का भाव पैदा होता है।

नेशनल यूथ अवार्डी,पर्यावरण मित्र दिव्या कुमारी जैन को इलेक्शन आइकॉन नियुक्त किया गया

दव्या कुमारी जैन ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि वह अपने ऑडियो व वीडियो के माध्यम से संदेश देकर वोटर्स को मतदान के लिए जागरूक करने का कार्य करेगी

चितौड़. शाबाश इंडिया। पर्यावरण संरक्षण व सामाजिक चेतना का अभियान चला रही नेशनल यूथ अवार्डी व पर्यावरण मित्र दिव्या कुमारी जैन को निर्वाचन विभाग राजस्थान सरकार द्वारा चित्तोड़गढ़ जिले के लिए इलेक्शन आइकॉन नियुक्त किया गया है। दिव्या कुमारी जैन ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि वह अपने ऑडियो व वीडियो के माध्यम से संदेश देकर वोटर्स को मतदान के लिए जागरूक करने का कार्य करेगी, उसने सन्देश देने के लिए वीडियो भी बनाये हैं।

चार माह से गतिशील नवकार महामंत्र जाप का समापन

ब्यावर. कासं। गांधी आराधना भवन में चल रहे वषार्वास के दौरान प्रवचन प्रभाविका महासाध्वी धैर्यप्रभा जी आदि ठाणा के तत्वावधान में गांधी आराधना भवन में गत चार माह से गतिशील नवकार महामंत्र के जाप का समापन हुआ। इस अवसर पर महासाध्वी धैर्यप्रभा ने उपस्थित धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए बताया कि नवकार महामंत्र को यदि सच्ची श्रद्धा के साथ कोई व्यक्ति स्मरण करता है तो उसके कर्मो का नाश होता हैं। जैन इतिहास में अनेको उदाहरण है जो बताते है कि शुद्ध भावों के साथ नमस्कार मन्त्र के स्मरण से कष्ट मिट गये। इसके स्मरण से व्यक्ति अपने जीवन को उन्नति की और ले जा सकता हैं। महासती धृतिप्रभा, धीरप्रभा और धार्मिक प्रभा ने धर्मसभा को प्रतिदिन नवकार मन्त्र का स्मरण करने की प्रेरणा दी। उन्होंने बताया कि संसार के सभी दूसरे मंत्रों में भगवान से या देवताओं से किसी न किसी प्रकार की मांग की जाती है लेकिन इस मंत्र में कोई मांग नहीं है। इस मंत्र में पांच पदों को समर्पण और नमस्कार किया गया है। इसलिए यह महामंत्र है। दिवाकर संघ अध्यक्ष देवराज लोढ़ा ने बताया कि गत चार माह से गांधी आराधना भवन में जाप गतिशील था। प्रतिदिन एक परिवार द्वारा गांधी आराधना भवन में जाप की आराधना की जाती थी। जाप करने वाले परिवार के अलावा भी श्रावक श्राविकाओं द्वारा पूरे मास में एक - एक घण्टे गांधी आराधना भवन में सामायिक के साथ जाप की आराधना करते थे। महिला मंडल अध्यक्षा सुशीला लोढ़ा के अनुसार इस जाप आराधना में सभी का सहयोग रहा। प्रतिदिन प्रातः 06 बजे से सांय 06 बजे तक जाप चलता था। आज इसका समापन का पल अतुल्य हैं।

तीये की बैठक

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी पूजनीया

श्रीमती कमला देवी जैन

धर्मपत्नी स्व. जम्बू कुमार जैन (चांदवाड़)

का आकस्मिक निधन 31.10.2023 को हो गया।

तीये की बैठक 02.11.2023 को
प्रातः 9.30 बजे भट्टारक जी की नसियां,
नारायणसिंह सर्किल पर होगी।

: शोकाकुल :

जिनेन्द्र-सरिता, आलोक-हेमा, चक्रेश-पिंकी (पुत्र-पुत्रवधु),
आभा धर्मपत्नी स्व. श्री रानूजी जैन **(पुत्री)**, पदमकुमार, श्रेयांस, सरोज **(भतीजे)**,
सौरभ-डॉ. अदिती, मोहित-नेहा, अंकित-श्रेया, रोहित-आयुषी,
चिराग-साक्षी **(पौत्र-पौत्र वधु)**, श्वेता-यतिन गोधा, चारूल-सुमित पाटनी,
हिमानी-अरिहंत काला **(पौत्री-पौत्री दामाद)**, रिषित, यशवर्धन, इवान,
अदविक **(पड़पौत्र)**, मिष्ठी, अयाना **(पड़पौत्री)**, अर्पित-गजल,
चर्चित-अक्षिता **(दोहिता-दोहिता वधु)**, रचित **(दोहिता)**

पिंकसिटी एडवरटाईजिंग कम्पनी, बजाज नगर एन्क्लेव
इन्द्र एण्ड कम्पनी, त्रिपोलिया बाजार
जे.एन.एस. कॉर्पोरेशन, महावीर नगर

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com